भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या: 419
उत्तर देने की तारीख: 23.03.2020

भारत में इंजीनियरी शिक्षा

***419. श्री विनायक भाऊराव राऊतः**

क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत में इंजीनियरी शिक्षा अपनी प्रतिष्ठा को खो रही है और अब छात्र इंजीनियरी नहीं पढ़ना चाहते हैं;
(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या भारत में इंजीनियरी शिक्षा का नई जरूरतों के अनुसार उन्नयन नहीं हो रहा है;
(घ) क्या सरकार का शिक्षाविदों तथा उद्योग और इंजीनियरी के विशेषज्ञों के परामर्श/ सहयोग से उक्त समस्या से पार पाने के लिए कोई कदम उठाने का विचार है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
मानव संसाधन विकास मंत्री
(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क) से (ड.) : विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

'भारत में इंजीनियरी शिक्षा' के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री विनायक भाऊराव राऊत द्वारा दिनांक 23.03.2020 को पूछे जाने वाले लोक सभा के तारांकित प्रश्न संख्या 419 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) : जी, नहीं। केंद्रीय वित्त पोषित संस्थान (सीएफटीआई) में इंजीनियरिंग में छात्रों की संख्या 110013 (2018-19) से बढ़कर 118020 (2019-20) हो गई है।

(ख) : प्रश्न नहीं उठता।

(ग) से (ड) : जी, नहीं। इंजीनियरिंग शिक्षा उद्योग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर उन्नत की जा रही है। इस दिशा में उठाए गए कदम निम्नानुसार हैं:

(i) भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी): इंजीनियरिंग, विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी स्ट्रीम, देश में अपनी चमक नहीं खो रही है। वास्तव में, राज्य सरकार की मांग के आधार पर, भारत सरकार ने पिछले 5 वर्षों में 13 आईआईआईटी खोले हैं, जिनमें से 12 निजी उद्योग और संबंधित राज्य सरकार के साथ, अर्थात् पीपीपी मोड में खोले गए हैं। ये आईआईटी उद्योग और वैश्विक बाजारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए खोले गए हैं। उद्योग साझेदार उद्योग की मांग के अनुसार पाठ्यचर्या तैयार करने, संबंधित पाठ्यक्रम या मॉड्यूल प्रदान करने, इंटर्नशिप, प्रायोजित परियोजनाओं और प्लेसमेंट प्रदान करने में शामिल होते हैं। अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और वैश्विक ज्ञान के साथ छात्रों को कौशल उन्नत बनाने के लिए पाठ्यचर्या को नियमित रूप से उन्नत और अद्यतन किया जाता है।

(ii) राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी): उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों को देश की प्रमुख और सबसे बड़ी तकनीकी शिक्षा प्रणाली माना गया है। एनआईटी प्रणाली के कामकाज की समीक्षा करने के लिए डॉ. अनिल काकोडकर की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया था, जिसने अन्य के साथ अपनी सिफारिशों में उद्योग संस्थान इंटरफ़ेस (यानी विभिन्न स्तर पर उद्योग की भागीदारी अर्थात् सहयोगात्मक अनुसंधान इंटर्नशिप और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों आदि के लिए फैलोशिप स्थापित करने की सिफारिश की थी। परिणामस्वरूप, पिछले कुछ वर्षों में, भारत की कुछ शीर्ष आईटी कंपनियों ने अपने स्वयं के अकादमिक-उद्योग इंटरफेस कार्यक्रम शुरू किए हैं। ये उद्योग द्वारा संचालित कार्यक्रम छात्रों को कार्य कौशल में प्रशिक्षित करने और उन्हें रोजगार के लिए तैयार करने का लक्ष्य रखते हैं। ऐसे कार्यक्रम संकाय को प्रशिक्षण भी प्रदान करते हैं ताकि वे परिसर में अपने छात्रों के लिए उद्योग-विशिष्ट मॉड्यूल का संचालन कर सकें। संस्थानों ने उद्योग, अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं और अन्य अनुसंधान प्रतिष्ठानों से विजिटिंग/सहायक संकाय की भी शुरुआत की है।

(iii) अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई): वर्ष 2018-19 में एआईसीटीई द्वारा तकनीकी शिक्षा के संपूर्ण पाठ्यक्रम को नया रूप दिया गया है। इसके अलावा, शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 में, मौजूदा संस्थानों को विशेषज्ञों द्वारा तैयार किए गए राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के अनुसार केवल उभरते क्षेत्रों में इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में नए कार्यक्रम शुरू करने की अनुमति दी जा रही है। इंजीनियरिंग शिक्षा की गुणवत्ता में

सुधार और तकनीकी संस्थानों के छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लिए, एआईसीटीई ने सभी तकनीकी शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए इंटर्नशिप अनिवार्य कर दिया है। इसके अलावा, एआईसीटीई तकनीकी शिक्षा में समग्र परिवर्तन लाने और उद्योग की आवश्यकताओं के साथ तकनीकी ज्ञान को संरेखित करने के लिए मॉडल पाठ्यक्रम, प्रेरण कार्यक्रम, परीक्षा सुधार, परिप्रेक्ष्य योजना, शिक्षक प्रशिक्षण, स्टार्ट-अप पहल, शिक्षक और छात्र विकास योजनाओं को लागू कर रहा है।

इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के लिए क्यू एस रैंकिंग 2020 के अनुसार, शीर्ष 500 संस्थानों की सूची में शामिल 9 भारतीय संस्थानों की रैंक पिछले वर्ष यानी 2019 से बढ़ गई है।

क्र सं.	संस्थान	2020	2019
1	आईआईटी बॉम्बे	44	53
2	आईआईटी दिल्ली	47	61
3	आईआईटी खडगपुर	86	113
4	आईआईटी मद्रास	88	95
5	आईआईटी कानपुर	96	125
6	आईआईटी बेंग्लुरू	103	142
7	आईआईटी रूडकी	156	197
8	आईआईटी गुवाहाटी	233	278
9	दिल्ली विश्वविद्यालय	342	343

इसके अलावा, रैंकिंग 2020 के अनुसार, 6 भारतीय संस्थान (आईआईएससी) बैंगलोर, आईआईटी रोपड़, आईआईटी इंदौर, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी खड़गपुर और आईआईटी दिल्ली) शीर्ष 500 संस्थानों की सूची में हैं।

*****